TEACHERS OF BIHAR

दैनिक ज्ञानकोश

सीखें-सिखाएं, बिहार को आगे बढ़ायें

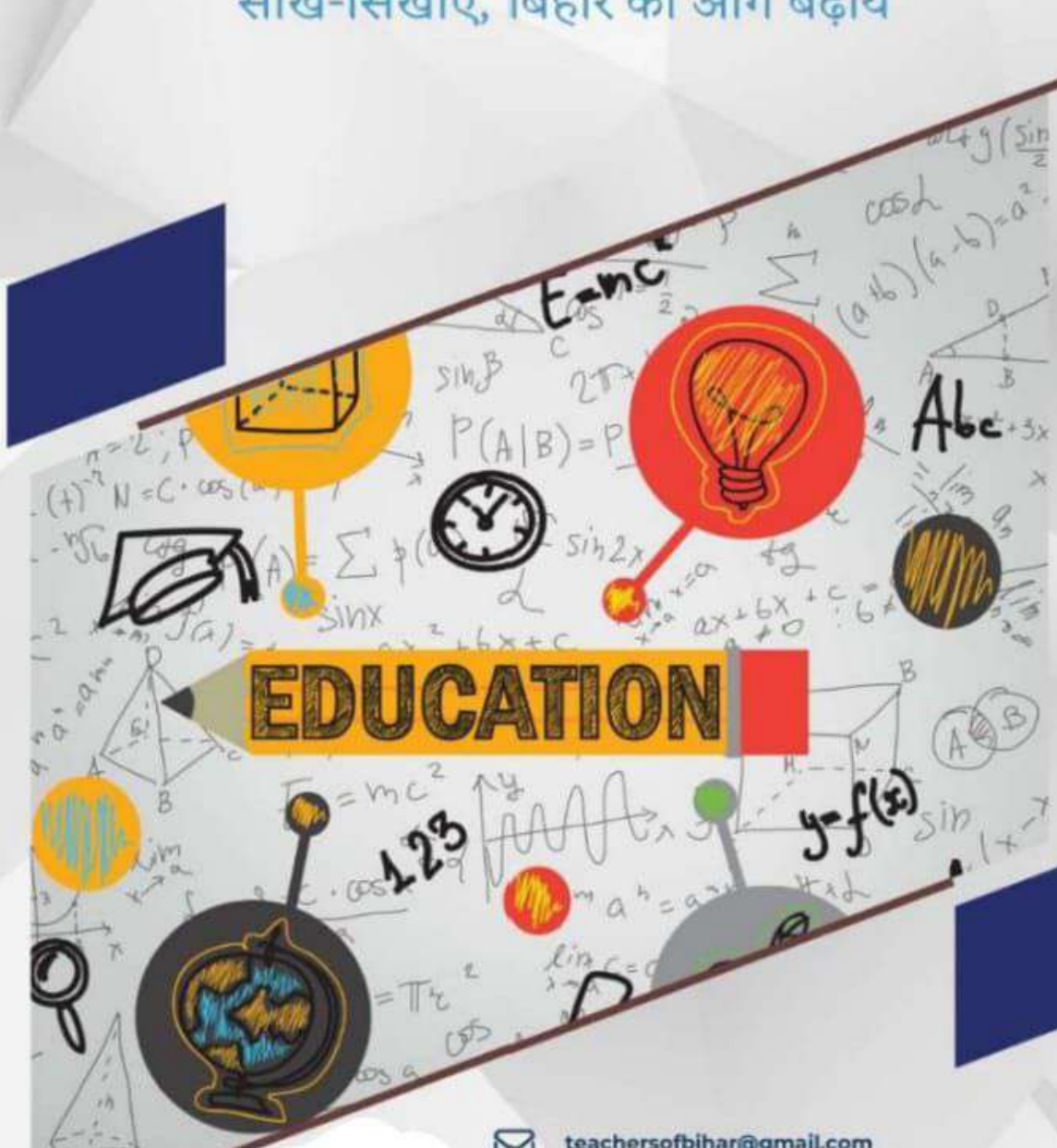

teachersofbihar@gmail.com

https://twitter.com/teachersofbihar

https://www.youtube.com/c/teachersofbihar

https://www.facebook.com/teachersofbihar

https://www.linkedin.com/company/teachersofbihar

www.teachersofbihar.org

04 जून 2026

Teachers of Bihar

The Change Makers

आज का सुविचार

शिक्षा किसी बर्तन को भरने जैसी नहीं है, बल्कि यह एक लौ प्रज्वलित करने के समान है।

सुकरात

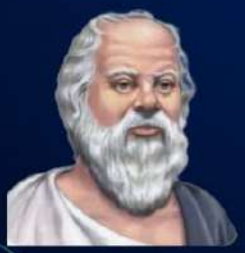

राकेश कुमार

www.teachersofbihar.org

दिवस विशेष

4 जून

मधु प्रिया

आक्रामकता का शिकार हुए मासूम बच्चों का अंतर्राष्ट्रीय दिवस 4जून

आक्रामकता का शिकार हुए मासूम बच्चों का अंतर्राष्ट्रीय दिवस प्रत्येक 4 जून को एक संयुक्त राष्ट्र का पालन है। 1997 में महासभा ने बाल अधिकारों पर 51/77 के प्रस्ताव को अपनाया। इसकी स्थापना 19 अगस्त 1982 को हुई थी। मूल रूप से 1982 लेबनान युद्ध के पीड़ितों पर केंद्रित है। बड़ी संख्या में निर्दोष लेबनानी और फिलिस्तीनी बच्चे इस्राइल द्वारा किए गए आक्रामकता कृत्यों के शिकार हैं। इसलिए, 19 अगस्त 1982 को अपने विशेष आपातकालीन सत्र में, फिलिस्तीन की महासभा के सदस्यों को झटका लगा। इसलिए, विधानसभा ने 4 जून को संकल्प ईएस -7 / 8 के तहत मासूम बच्चे पीड़ितों के अंतर्राष्ट्रीय दिवस के रूप में मनाने का फैसला किया।संयुक्त राष्ट्र का उद्देश्य दुनिया भर में उन बच्चों की पीड़ा को स्वीकार करने के लिए विस्तारित हुआ जो शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक शोषण के शिकार हैं। यह दिन बच्चों के अधिकारों की रक्षा के लिए संयुक्त राष्ट्र की प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है। यह संघर्ष स्थितियों में बच्चों की सुरक्षा में सुधार के प्रयासों में एक ऐतिहासिक विकास था।हाल के वर्षों में, कई संघर्ष क्षेत्रों में, बच्चों के खिलाफ उल्लंघन की संख्या में वृद्धि हुई है। संघर्ष से प्रभावित देशों और क्षेत्रों में रहने वाले 250 मिलियन बच्चों की सुरक्षा के लिए और अधिक प्रयास किए जाने की आवश्यकता है।

Teachers of Bihar
The Change Makers

शिक्षा शब्दकोश

आज का शब्द **04.06.2026**

पाठ्यक्रम विकास

पाठ्यक्रम विकास **(Curriculum Development)** वह प्रक्रिया है जिसमें शिक्षा के उद्देश्यों के अनुसार पाठ्यक्रम की योजना बनाना, निर्माण करना, सुधार करना और लागू करना शामिल होता है। सरल शब्दों में, विद्यार्थियों को क्या पढ़ाया जाए, कैसे पढ़ाया जाए, कब पढ़ाया जाए और उसका मूल्यांकन कैसे किया जाए — इन सबकी व्यवस्थित योजना को पाठ्यक्रम विकास कहते हैं।

रोचक तथ्य/सामान्य ज्ञान

इटली में भारतीय सैनिक **नाइक यशवंत घड़गे** की प्रतिमा मौजूद है। **द्वितीय विश्वयुद्ध** के दौरान उन्होंने इटली के लोगों की **जान बचाकर** उनके दिलों में जगह बना ली थी।

TOB खेल कॉर्नर

अफगानिस्तान का भारत दौरा 2026

मैच	कहां	कब	समय
टेस्ट मैच	मुल्लांपुर	6 जून	सुबह 9:30 बजे
पहला वनडे	धर्मशाला	14 जून	दोपहर 1:30 बजे
दूसरा वनडे	लखनऊ	17 जून	दोपहर 1:30 बजे
तीसरा वनडे	चेन्नई	20 जून	दोपहर 1:30 बजे

राकेश कुमार

"जयंती विशेष"

नूतनः भारतीय सिनेमा की शाश्वत रानी

Celebrating the 88th Birth Anniversary of Nutan
(June 4, 1936 – February 21, 1991)

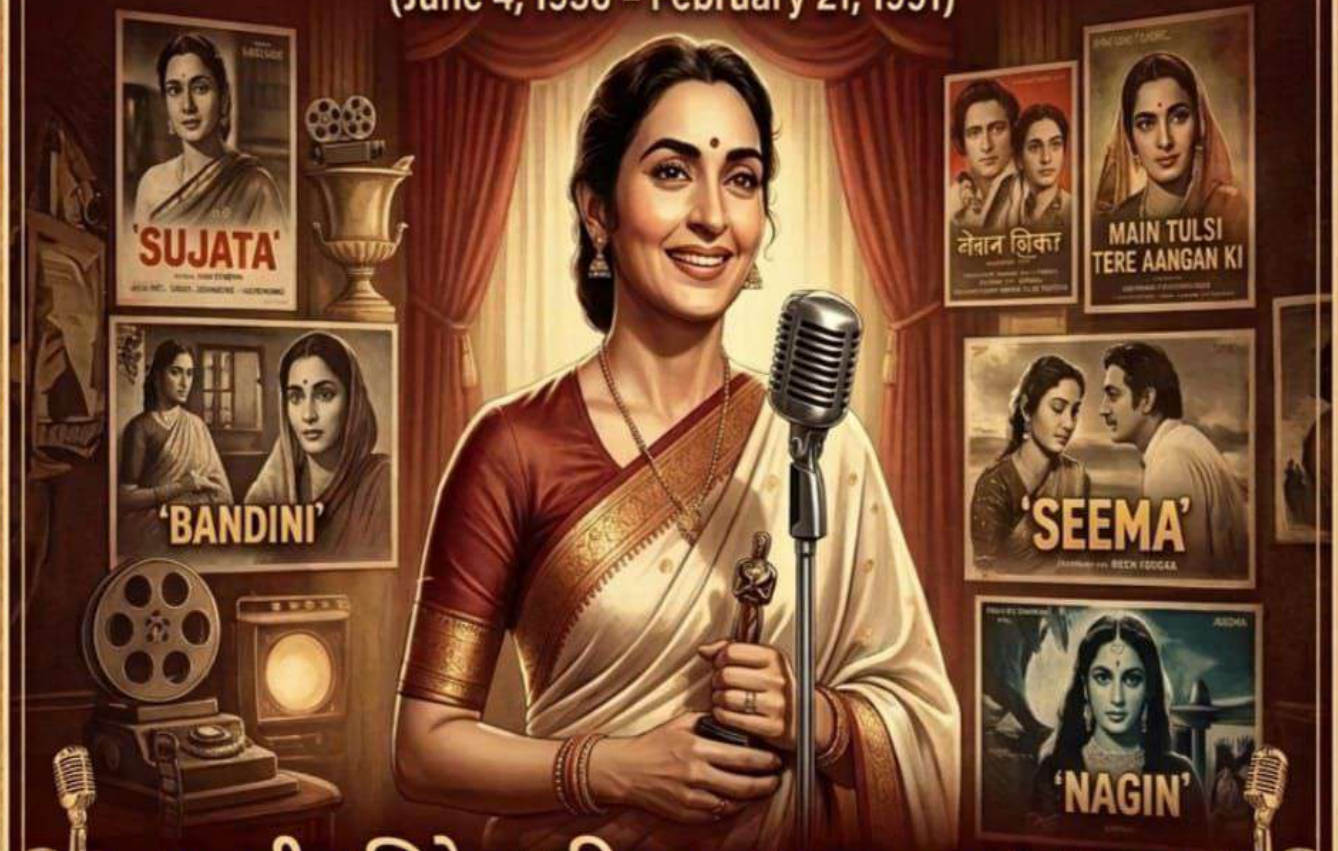

भारतीय सिनेमा की महान अदाकारा 04 जून

प्रमुख फिल्में (Key Films):

Sujata
Memorsble rales, avcistant unmemorable roles.

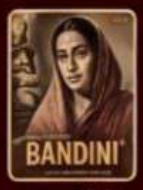

Bandini
Bir memorable rolas, valents and barandine roles.

Main Tulsi...
Higlicabie talent, dignicy and path-breaking performances.

Seema
Romnorable rolcs, and valant performances.

Milan
Memorahle reles. and memonorable roles.

Miian
Nenoreble talont olakly and path breaking performances.

Anuradha
Memorable rolos, dasity and patn-breaking performances.

फिल्मफेयर सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री पुरस्कार (5 बार)

सीमा, सुजाता, बंन्दीनी, मिलन, मैंन तुल्सी...

"कला और प्रतिभा की वो मूरत, जिन्होंने हर किरदार में जान फूँक दी।"

श्रद्धांजलि

शत् शत् नमन: भारतीय सिनेमा की गरिमा और कला को

हिंदी सिनेमा को संवेदनशील, यथार्थपरक और
सार्थक कहानियों देने वाले महान फिल्मकार

बासु चटर्जी

की पुण्यतिथि पर

विनम्र श्रद्धांजलि

10 जनवरी 1927 – 4 जून 2020

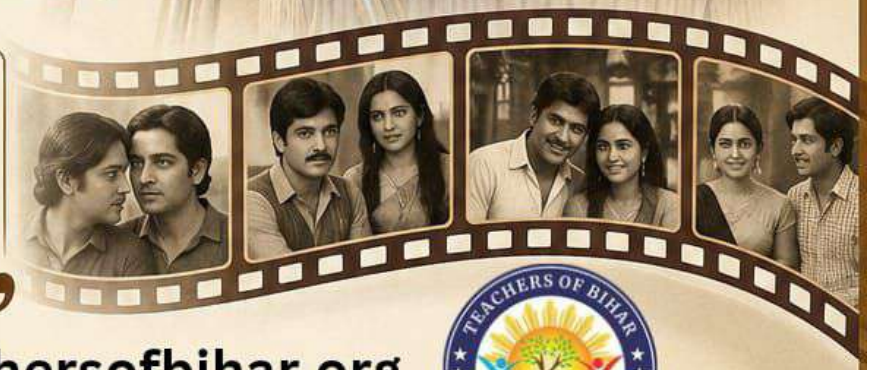

“मेरी कोशिश हमेशा यही रही है कि मैं ऐसी फिल्में बनाऊँ जो आम आदमी के दिल को छू सकें और समाज में सकारात्मक बदलाव ला सकें।”

– बासु चटर्जी

www.teachersofbihar.org

प्रमुख फिल्में

रजनीगंधा | छोटी सी बात | एक रिश्ता
पिया का घर | बातें बातें में | चमेली की शादी | और चुपके चुपके

- हिंदी सिनेमा को यथार्थवादी कहानियों की नई दिशा दी
- सरल, सजीव और संवेदनशील फिल्मों के लिए प्रसिद्ध
- आम आदमी की कहानियों बड़े पर्दे पर उतारीं
- राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार से सम्मानित

Madhu priya

आपकी फिल्में और विचार हमेशा हमारी यादों में जीवित रहेंगे।

भारतीय लेखक, पर्यावरणविद्

भगत पूरण सिंह

की जयंती पर

शत्-शत् नमन

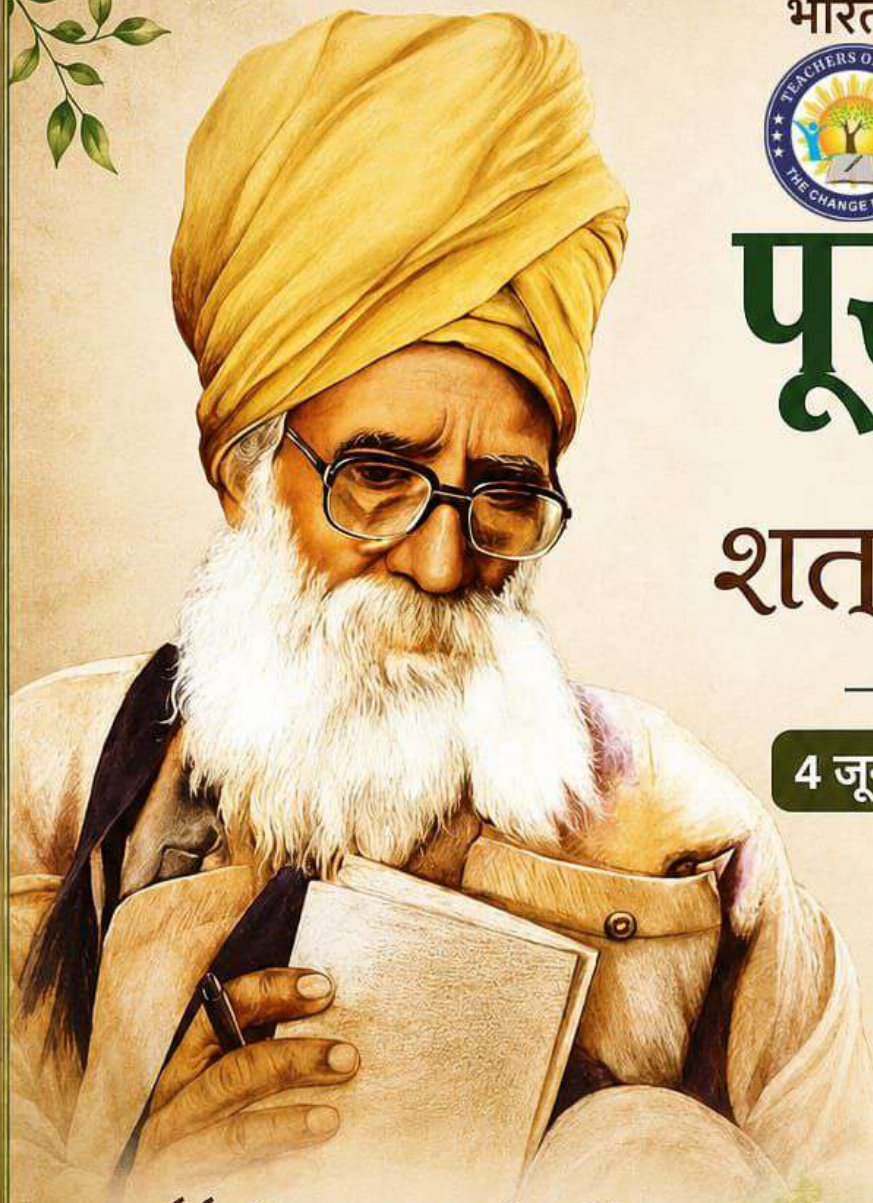

4 जून 1904 - 5 अगस्त 1992

प्रख्यात लेखक, कवि, शिक्षाविद्
और पर्यावरण संरक्षण के
समर्पित प्रेरक,
जिन्होंने मानवता, सेवा,
प्रेम और प्रकृति के
संदेश को अपने जीवन से
जीया और हमें दिया।

"इंसान का असली धर्म है –
लोगों की सेवा करना,
उनके दुख दूर करना और
हर दिल में प्रेम जगाना।"

– भगत पूरण सिंह

www.teachersofbihar.org

साहित्य
और लेखन के
अमूल्य योगदान

पर्यावरण रक्षा
और वृक्षारोपण के
प्रेरक

मानव सेवा,
प्रेम और करुणा
के प्रतीक

प्रकृति, शांति और
सह-अस्तित्व के
संदेशवाहक

Madhu priya

आइए, उनके आदर्शों पर चलें और एक बेहतर, करुणामय और हरित भविष्य का निर्माण करें।

आज का ToB क्वीज..

भारत के प्रथम कानून मंत्री कौन थे ?

A. डा. राजेंद्र प्रसाद

B. डा. भीमराव अंबेडकर

C. जवाहरलाल नेहरू

B

संजय कुमार